801

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVS-103

गृह निर्माण विवेचन

Diploma in Vastu Shashtra (DVS-20)

1st Year Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. गृहनिर्माण में राहुमुखपुच्छ का विचार सविस्तार वर्णन कीजिए?

2. शिलान्यास क्यों आवश्यक है, इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए?

3. वर्तमान काल में प्रचलित कक्ष निर्माण विधि का वर्णन करें?

4. कुम्भ चक्र के महत्त्व व स्वरूप का सविस्तार वर्णन करें?

5. गृहप्रवेश में लग्नशुद्धि क्यों आवश्यक है, उदाहरण सहित बताइए?

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. शिलान्यास में खात विचार का वर्णन करें?

2. गृहनिर्माण में अध्ययन कक्ष का महत्त्व निरूपित करें?

3. नारद जी द्वारा वर्णित मासशुद्धि का विवेचन कीजिए?

4. वृहतसंहिता के अनुसार गृहद्वार फल का विवेचन कीजिए?

5. देवालय वास्तु के महत्त्व को परिभाषित कीजिए?

6. गृहारंभ में वृषवास्तुचक्र का वर्णन करें?

7. नक्षत्रशुद्धि के महत्त्व को प्रतिपादित करें?

8. विश्वकर्म प्रकाश के अनुसार भूमिसंशोधन को स्पष्ट कीजिए?